साठोत्तर हिन्दी नाटकों में चित्रित विदेशी आक्रमण तथा राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना

पृष्ठांक

अ नु क्र म णि का

प्रथम अध्याय 001 - 045

साठोत्तर हिन्दी नाटक : समय संदर्भ

भूमिका

भारत नामाभिधान

भारत का भौगोलिक परिवेश

1· भारत : राजनीतिक विभाग

2· भारत के पड़ोसी देश

भारत विभाजन और स्वतंत्र भारत

1· माउण्ट बेटन - योजना और भारत विभाजन

भारतीय संविधान

1· भारतीय संविधान की विशेषताएँ

भारत की विदेश नीति और पंचशील

स्वातंत्र्योत्तर काल में भारत पर हुए विदेशी आक्रमण

1· भारत-पाक युध्द (1947)

2· भारत-चीन युध्द (1962)

3· भारत - पाक युध्द (1965)

4· भारत - पाक युध्द (बांगलादेश) (1971)

नाटक साहित्य की विशिष्ट विधा

साठोत्तर हिन्दी नाटक : महत्व

साठोत्तर हिन्दी नाटक : विशिष्ट संदर्भ

1· सामाजिक संदर्भ

पृष्ठांक

2· प्रेम और यौन दृष्टि संदर्भ

3· इतिहास बोध आधुनिक संदर्भ

4· सांस्कृतिक संदर्भ

5· असंगत जीवन संदर्भ

विवेच्य नाटक : सामान्य परिचय

1· घाटियाँ गूँजती हैं - डॉ·शिवप्रसाद सिंह

2· नेफा की एक श्याम - ज्ञानदेव अग्निहोत्री

3· हाजीपीर का दर्रा - राजकुमार

4· जय बाड्ला - डॉ·रामकुमार वर्मा

5· युध्दमन - बृजमोहन शाह

विवेच्य नाटक : अध्ययन प्रणाली

निष्कर्ष

संदर्भ

द्वितीय अध्याय 046 - 091

साठोत्तर हिन्दी नाटकों में चित्रित विदेशी आक्रमण : राजनीति के परिप्रेक्ष्य में

भूमिका

भारत के पडोसी देश

1· पाकिस्तान 2· चीन 3· नेपाल 4· भूटान

5· श्रीलंका 6· बर्मा

विदेशियों द्वारा भारत पर आक्रमण

1· जम्मू कश्मीर

2· नेफा (अरूणाचल प्रदेश)

3· बाड्ला देश

पृष्ठांक

विदेशी आक्रमण : विविध उद्देश्य

युध्द विजिगीषा

1· युध्द के जिम्मेदार

2· युध्द की तैयारी

3· युध्द नीति

4· युध्द में लूटमार

5· युध्द में बहादुरी

6· युध्द में हार-जीत

7· युध्द में जासूसी

8· युध्द में रिपोर्टर

9· युध्द के दुष्परिणाम

10·युध्द समस्या और बुध्दिजीवी

11·युध्द विरोध और युध्द विराम

निष्कर्ष

संदर्भ

तृतीय अध्याय 092 - 112

साठोत्तर हिन्दी नाटकों में चित्रित विदेशी आक्रमण : जनजीवन के परिप्रेक्ष्य में

भूमिका

पारिवारिक प्रेम

1· माँ-बेटी

2· पिता-पुत्री / पिता-पुत्र

3· बड़ा भाई - छोटा भाई

4· पत्नी - पति

5· पति-पत्नी

पारिवारिक जीवन

1· कर्तव्य की प्रेरणा

×× स्वाभिमान

×× पत्र

2· प्रेम और घृणा

×× पत्नी-पति

×× गद्दारी के प्रति

3· पारिवारिक असंतुलन

सामाजिक जीवन

1· बच्चों का जीवन

2· छात्र जीवन

3· युवा जीवन

4· बूढों का जीवन

5· आतंक से भयावह जीवन

6· शरणार्थियों का जीवन

7· वेश्यागमन

विदेशियों से नफरत

1· लाल रंग से नफरत

2· जासूसी से नफरत

3· सैनिक से नफरत

4· आक्रमण के प्रति नफरत

जनसाधारण के रूप में सैनिक

1· माँ-बेटा स्थिति

2· पत्नी-पति स्थिति

3· पति-पत्नी स्थिति

पृष्ठांक

4· प्रेमी-प्रेयसी स्थिति

5· बगावत की बू से नफरत

6· कृतज्ञता

निष्कर्ष

संदर्भ

चतुर्थ अध्याय 113 - 131

साठोत्तर हिन्दी नाटकों में चित्रित राष्ट्रीय चेतना

भूमिका

राष्ट्र

राष्ट्रीयता

भारत और जनतंत्र

राष्ट्रीयता

राष्ट्रप्रेम

1· भारतीयों का भारत के प्रति

2· चीनियों का चीन के प्रति

जन्मभूमि प्रेम

देशद्रोह

निष्कर्ष

संदर्भ

पंचम अध्याय 132 - 147

साठोत्तर हिन्दी नाटकों में चित्रित सांस्कृतिक चेतना

भूमिका

सांस्कृतिक स्वरूप

पृष्ठांक

हिमालय का सांस्कृतिक महत्व

विविध तीर्थक्षेत्रे

धर्म और विश्वास

परोपकाराय पुण्याय

विविधादर्श

धर्मनिरपेक्षता

सांस्कृतिक विघटन

निष्कर्ष

संदर्भ

<u>षष्ठ अध्याय</u> 148 - 186

<u>साठोत्तर हिन्दी नाटकों में रंगमंचीय बोध</u>

भूमिका

आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच

1· रंगमंच का महत्व

मंचसज्जा (दृश्य-विधान)

पात्रों की वेशभूषा

अभिनेयता (पात्रों के क्रिया व्यापार)

भाषाशैली तथा संवाद योजना

गीत योजना

प्रकाश योजना और ध्वनि संकेत

दर्शकीय/पाठकीय संवेदना

निष्कर्ष

संदर्भ

<u>सप्तम अध्याय</u> 187 - 190

<u>समन्वित मूल्यांकन</u>

<u>संदर्भ ग्रंथ सूची</u> 191 - 194